

डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 18

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. ब्रूस वाल्टके और भजन की पुस्तक पर उनकी शिक्षा है। यह सत्र संख्या 18, विश्वास के स्तोत्र, स्तोत्र 139 और 91 है।

ठीक है। अब इस समय, हम जा रहे हैं, ओह, मुझे बस करने दीजिए, मैं आपके साथ एक कविता साझा करना चाहता हूँ जो विलाप भजन को समाप्त करती है। यह मेरे पसंदीदा में से एक है। मुझे लगता है कि आप सभी शायद इसे जेम्स रसेल लोवेल से जानते होंगे।

लापरवाह महान बदला लेने वाला लगता है। इतिहास के पन्ने लेकिन रिकार्ड. एक मौत अंधेरे, मोटे पत्थरों, व्यवस्थाओं और शब्दों से जूझती हुई।

सत्य हमेशा के लिए मचान पर, गलत हमेशा के लिए सिंहासन पर। लेकिन वह मचान भविष्य को पकड़े हुए है और धुंधले अज्ञात से परे, भगवान को अपनी छाया से ऊपर रखते हुए खड़ा करता है। लापरवाह महान बदला लेने वाला लगता है।

इतिहास के पन्ने, लेकिन अंधेरे में जूझती एक मौत को दर्ज करते हैं, पुरानी प्रणालियों और शब्दों को चकमा देते हैं। सत्य हमेशा के लिए मचान पर, गलत हमेशा के लिए सिंहासन पर। लेकिन वह मचान भविष्य को पकड़े हुए है और धुंधले अज्ञात से परे, भगवान को अपनी छाया से ऊपर रखते हुए खड़ा करता है।

मुझे लगता है कि विलाप खंड को समाप्त करने के लिए यह एक बेहतरीन कविता है। क्षमा? यह जेम्स रसेल लोवेल का है। मुझे लगता है कि शायद यह मेरे पास भजन 44 के अंत में है।

मुझे लगता है कि मैंने इसे वहां लिखा है। वास्तव में, यह 44 के अंत में होना चाहिए। क्या यह वहीं है? हाँ।

ठीक है। वहाँ कविता है. यह सिर्फ एक छंद है.

मैं पूरी कविता नहीं जानता, लेकिन मेरे लिए यह एक शानदार कविता है। यह वह व्यक्त करता है जो मैं विलापगीत भजनों में देखता हूँ और इसके पीछे हमारा विश्वास है। ठीक है।

अब हम पृष्ठ 232 पर हैं और हम विश्वास के गीतों की ओर बढ़ रहे हैं। हम यहां दो भजन करने का प्रयास करने जा रहे हैं। हाँ, यह सिर्फ कागज का एक टुकड़ा है।

हमारे पास जो घंटा बचा है उसमें मैं दो भजन गाने का प्रयास करने जा रहा हूँ। तो, मैं थोड़ा और तेजी से आगे बढ़ूंगा। मैं ऐसा करने जा रहा हूँ क्योंकि ये दो प्रसिद्ध भजन हैं।

खैर, ये दो प्रसिद्ध भजन भी हैं। हमने 23 पूरा कर लिया है। हमने भजन 1 पूरा कर लिया है। हमने 51 पूरा कर लिया है।

तो हमने 22 कर लिया है। हमने इन विभिन्न प्रकार के भजनों को निर्दिष्ट करने की कोशिश में कुछ महान भजनों को छुआ है। विश्वास के भजन, विश्वास के गीत भगवान के लोगों के पसंदीदा हैं क्योंकि वे विश्वास और विश्वास व्यक्त करते हैं।

वहाँ महान विलाप नहीं है और यह जीत है। भजन 139, यह इतना व्यापक विश्वास है कि इसे विश्वास का गीत कहा जाता है। लेकिन वास्तव में, यह वास्तव में एक शोकगीत है क्योंकि यह एक याचिका और एक ऐसी स्थिति के साथ समाप्त होता है जहां वह संकट में भी है।

लेकिन यह एक महान भजन है। हम इसे कमोबेश शीघ्रता से देखेंगे। यहां हम भजन 91 पर हैं।

और मुझे लगता है कि हममें से अधिकांश ने सुना है। जहाँ तक अनुवाद के किसी मामले का सवाल है, यह अभी तक सामने नहीं आया है। यह भजन संहिता के तीसरे खंड में प्रकाशित होगा।

भजन कहते हैं, ईसाई बुद्धि और स्तुति। तो, यह वह है जिस पर मैंने हाल ही में काम किया है, जिसे गिरना है। एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो परमप्रधान के गुप्त स्थान में रहता है, परमप्रधान परमेश्वर का नाम है, एलियन, एल एलियन, जो सर्वशक्तिमान की छाया में रहता है।

सर्वशक्तिमान एल शादाई है। और आप शादाई नाम से जानते हैं। सच तो यह है कि हम नहीं जानते कि शादाई का मतलब क्या है।

जब मैंने हार्वर्ड में अपना निवास कार्य पूरा कर लिया, तो एक शोध प्रबंध के बारे में सोचने की कोशिश में मेरे प्रोफेसर ने सुझाव दिया कि मैं हल करूंगा और पता लगाऊंगा कि शादाई का क्या मतलब है। मैंने सोचा कि मैं बस एक मृत अंत से नीचे आ रहा हूँ और मेरा शोध प्रबंध समाप्त हो जाएगा। हमें पता नहीं।

इसलिए मैंने सोचा कि अगर इसे अब तक हल नहीं किया गया है, तो हमें और अधिक शोध, अधिक डेटा के लिए इंतजार करना होगा जो हमारे पास अभी तक नहीं है। और यही बाइबिल अध्ययन की प्रकृति है। इसीलिए मुझे बाइबिल का अध्ययन पसंद है क्योंकि हम लगातार उन चीजों को परिष्कृत कर रहे हैं जिन्हें हम एक पीढ़ी में नहीं जानते हैं, अगली पीढ़ी को पता चलता है और चर्च इस प्रक्रिया में बढ़ रहा है।

तो हम अभी तक इस नाम पर नहीं हैं, लेकिन इसे ग्रीक में पैंटोक्रैटर कहा जाता था, जिसका अर्थ है सर्वशक्तिमान। और उससे, और फिर जेरोम इत्यादि से, हमें सर्वशक्तिमान नाम मिलता है। मुझे यकीन है कि इसमें सर्वशक्तिमान शामिल है, लेकिन निश्चित रूप से नहीं।

यह, मुझे लगता है, यह अद्भुत है। ग्रीक ऐसा ही है। और मुझे लगता है यह बहुत बढ़िया है।

सर्वशक्तिमान की छाया में कौन रहता है? मैं अपने विषय में कहता हूँ, वह मेरा आश्रय, मेरा गढ़, मेरा परमेश्वर है जिस पर मैं भरोसा करता हूँ। निश्चय वह तुम्हें बहेलिये के जाल से, और

विनाशकारी विपत्ति से बचाएगा। वह अपने पंखों की सहायता से आप पर छाया करेगा और आप उसके पंखों के नीचे शरण ले सकते हैं।

उसकी सच्चाई ढाल और प्राचीर है। रात के भय से, और दिन को उड़नेवाले तीर से, अन्धियारे में फैलनेवाली मरी से, और दोपहर को फैलनेवाली मरी से मत डर। एक हजार तेरी ओर गिरेंगे, और एक असंख्य तेरी दाहिनी ओर गिरेंगे, परन्तु वह तेरे निकट न आएगा।

तू केवल अपनी आंखों से देखेगा और दुष्टों का बदला देखेगा। क्योंकि तू कहता है, मैं ही मेरा शरणस्थान है, और तू परमप्रधान को अपना निवासस्थान बनाता है। विपत्ति तुझ पर न आएगी, और विपत्ति तेरे तम्बू के निकट न आएगी।

निश्चय, वह तुम्हारे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा कि वे तुम्हारी हर प्रकार से रक्षा करें। वे तुम्हें हथेलियों पर उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तुम्हारे पैर में पत्थर लगे। तुम सिंह और नाग पर चलोगे।

तुम जवान सिंह और साँप को रौंद डालोगे। क्योंकि वह मुझ से लिपटा हुआ है, मैं उसे छुड़ाऊंगा। मैं उसे ऊँचे स्थान पर रखूंगा क्योंकि वह मेरा नाम जानता है।

वह मेरी दोहाई देगा और मैं उसे उत्तर दूंगा। मैं संकट में उसके साथ रहूंगा। मैं उसे पहुंचा दूंगा।

मैं उसकी महिमा करूंगा। मैं उसे अनंत दिनों से संतुष्ट करूंगा और मैं उसे अपना उद्धार दिखाऊंगा।" भजन को देखते हुए, भजन की समस्या का हिस्सा यह है कि हम बिना पहचान के सर्वनाम रख रहे हैं। हम एक ऐसे व्यक्ति के रूप में शुरू करते हैं जो इसमें रहता है गुप्त स्थान।

मैं कहता हूँ मैं हूँ। मैं कौन है? और फिर हम पाते हैं, निश्चित रूप से, तो वह आई एम के बारे में बात कर रहा है। और फिर कोई आपसे बात कर रहा है।

निश्चय वह तुम्हें बचाएगा। आप कौन हैं? यहाँ किसे संबोधित किया जा रहा है? और वह पूरे रास्ते चलता रहता है। तो, हमें यह नहीं बताया जाता कि मैं कौन है और हमें यह नहीं बताया जाता कि आप कौन है।

और फिर अंत में वह मुझे पुकारेगा। वह कौन है? और मैं कौन हूँ? और ये सभी सर्वनाम हैं। यहां कुछ ऐसा माना जा रहा है जिसे हमें डिकोड करना है।

ये सर्वनाम कौन हैं? यह मेरे लिए बिल्कुल स्पष्ट है कि आप श्लोक एक और दो का मैं है। जो कोई श्लोक दो में बोलता है, वह कहता है, वह मेरा आश्रय है। और वह भगवान है।

और फिर उससे कहा गया, श्लोक चार, और उसके पंखों के नीचे, तुम आश्रय पा सकते हो। तो, आप ही मैं हैं। और वह कहते हैं कि मुझे भगवान में आश्रय मिलता है। और कोई और कह रहा है, और तुम्हें आश्रय मिल सकता है।

मुझे लगता है कि आप इसे और अधिक स्पष्ट रूप से देखते हैं, छंद नौ और 10 में पुनरावृत्ति में, क्योंकि आप घोषणा करते हैं, मैं ही मेरा आश्रय हूँ और आप सबसे ऊँचे स्थान को अपना निवास स्थान बनाते हैं, विपत्ति आपको नहीं मिलेगी। वहाँ यह बहुत स्पष्ट है, क्योंकि तू कहता है, मैं ही मेरा शरणस्थान है, विपत्ति तुझे न मिलेगी। इसलिए, मुझे पूरा विश्वास है कि मैं और आप एक ही व्यक्ति हैं।

अन्त में, जब वह मेरी दोहाई देगा, और वह उत्तर देगा, और मैं उसे अनन्त दिनों तक तृप्त करूँगा, तो बोलनेवाला परमेश्वर ही होगा। और यह व्यक्ति, वह मुझसे चिपक जाएगा। वह इस व्यक्ति के बारे में बात कर रहा है।

वह मुझसे लिपटा रहेगा और मैं उसके साथ रहूँगी। मैं उसे पहुँचा दूँगा। मैं उसकी महिमा करूँगा।

परमेश्वर के अलावा कौन उसे संतुष्ट कर सकता है, उसकी महिमा कर सकता है और उसे बड़ा कर सकता है? तो, भगवान अंतिम तीन श्लोकों में उस व्यक्ति के बारे में बात कर रहे हैं जो कहता है, श्लोक एक और दो, जैसा कि मैं कहता हूँ कि मैं हूँ, वह मेरा आश्रय है। तो, मेरे पास तीन स्पीकर हैं।

मेरे पास श्लोक एक और दो में मैं है, और फिर मेरे पास कोई है जो उससे बात कर रहा है, और उस व्यक्ति को भविष्यवक्ता होना चाहिए। हमारी पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन वह ईश्वर की ओर से बोलता है, उसे आश्चर्य करता है। तो, जो कोई श्लोक तीन में बोल रहा है, वास्तव में, जब तक परमेश्वर श्लोक 14 में नहीं बोलता, वह परमेश्वर के लिए बोलता है।

तो, अब मेरे पास मैं बोल रहा हूँ, कोई उससे बोल रहा है। फिर भगवान इस स्तोत्र के अंत में उसके बारे में बात कर रहे हैं। मैं कौन है? मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बिल्कुल स्पष्ट है, वह अवश्य ही एक राजा होगा।

ध्यान दें कि उसके साथ क्या हो रहा है। पद पाँच, दिन में उड़नेवाले तीर के भय से रात को मत डरना। जो अपने चारों ओर उड़ते हुए मोटे बाणों से घिरा हुआ है? यदि यह राजा नहीं है।

या फिर, एक हजार लोग आपकी ओर गिरेंगे, एक असंख्य आपकी दाहिनी ओर गिरेंगे। जिसके पक्ष में हजारों शत्रु हैं और उसके दाहिनी ओर असंख्य शत्रु मारे गए हैं। वह कौन है जिसके तीर उसकी ओर उड़ रहे हैं और उसके चारों ओर हजारों लोग मर रहे हैं? मेरे लिए वह मिस्टर एवरीमैन नहीं हैं।

ये राजा है। केवल अपनी आंखों से ही तुम दुष्टों का प्रतिशोध देखोगे। इसलिए, मुझे लगता है कि यह मेरे लिए फिर से स्पष्ट है, मैं वह राजा हूँ जो भगवान पर भरोसा कर रहा है क्योंकि वह युद्ध के बीच में है।

इससे भी अधिक, मेरा मानना है कि यह ईसा मसीह की प्रत्याशा है क्योंकि यह राजा अजेय और अजेय है। उसे कोई हरा नहीं सकता। वह भजन 44 नहीं है।

वहाँ राजा हारकर नीचे चला गया। यहाँ एक राजा है जो अजेय है। यह कोई साधारण संत नहीं है, यहां तक कि जॉन द बैपटिस्ट भी अजेय नहीं था।

उसका सिर काट दिया गया। पूरे इतिहास में आज संतों को शहीद किया गया है। तो ऐसा नहीं हो सकता, यह राजा अजेय और अजेय है।

तो, इसलिए, जैसा कि तरगुम ने इसे समझा, उन्होंने इसे डेविड के बात करने के रूप में समझा, ठीक है, उन्होंने इसे राजा के लिए समझा कि डेविड सुलैमान से बात कर रहा था। लेकिन मुझे लगता है कि यह ईसा मसीह का संदर्भ है जो अपने जीवन में अजेय और अजेय थे। आप यीशु को तब तक नहीं छू सकते जब तक उन्होंने अपना जीवन नहीं त्याग दिया।

वह कहता है, कोई भी आदमी मुझसे यह नहीं लेता। तो, शुरू से ही, आपने निर्दोषों का वध किया है, उन सभी शिशुओं का, जो हेरोदेस के व्यामोह और पागलपन के तहत मारे गए थे। और यीशु भाग निकले।

और पूरे रास्ते जब यीशु ने कोढ़ी को ठीक किया, तो वह कोढ़ी से कह सकता था, शुद्ध हो जाओ। उसने दूसरों के साथ ऐसा किया। वह कोढ़ी को क्यों छूता है? यह दिखाना है कि वह अजेय है।

यहाँ तक कि कुष्ठ रोग भी उस पर विजय नहीं पा सकता। वह तूफान से गुजरता है। जब वह अपना पहला उपदेश देता है, तो वे उसे मार डालना चाहते हैं।

वह धुंध के बीच से बाहर निकलता है। जॉन, जब वे उसे पत्थर मारना चाहते हैं और वे उसे पकड़ना चाहते हैं, तो जॉन कहता है, वे ऐसा नहीं कर सकते। आप यीशु को तब तक नहीं छू सकते जब तक वह स्वेच्छा से पापियों के लिए छुड़ौती के रूप में अपना जीवन नहीं त्याग देता।

वह जॉन 10 में कहता है, कोई भी व्यक्ति मुझसे मेरा जीवन नहीं छीन सकता। मैंने इसे अपने लिए बिछाया। तो, मेरे लिए, डेविड अपने महान पुत्र, जो कि प्रभु यीशु मसीह है या जो भी यह राजा है, की अजेयता के बारे में बात करने के लिए अपनी दुनिया की भाषा का उपयोग कर रहा है।

लेकिन मुझे लगता है कि यह ईसा मसीह का संदर्भ है जो तब तक अजेय और अजेय हैं जब तक कि वह अपनी जान नहीं दे देते, जिसका अर्थ है कि वह हमारे साथ हैं। जब चीजें हमारे जीवन में आती हैं, तो ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वह चाहता था कि वह हमारे जीवन में आए क्योंकि उसने स्वेच्छा से अपना जीवन दे दिया। यह कोई दुर्घटना नहीं है।

वह नियंत्रण में है और हम उस पर भरोसा कर सकते हैं। तो इस तरह मैंने भजन पढ़ा। मैंने इसे एक ऐसे राजा के रूप में पढ़ा जो अछूत है।

यह राजा सिंह और नाग को रौंद डालेगा। मुद्दा यह है कि वह नहीं है, उनका क्या मतलब है? ईसा मसीह साँपों पर चल रहे हैं। वे बुराई और उन राष्ट्रों के प्रतीक हैं जो उसके विरोधी हैं।

वह चेलों से कहता है, तुम उसके बिच्छुओं, उसके सांपों इत्यादि को रौंदोगे। यह बुराई पर उनकी विजय, उनकी अंतिम विजय का प्रतीक है। तो, दिलचस्प बात यह है कि, आप देखते हैं कि जब शैतान यीशु को प्रलोभन में डालता है, तो मेरे पास यह आपके नोट्स में है, हो सकता है कि आप वहां जाना चाहें।

खैर, उसके लिए यह एक राजा है। मुझे पेज 234 में किडनर का उद्धरण पसंद आया। यह पहला उद्धरण गोल्डिंगे द्वारा है।

एक राजा को संबोधित करते हुए यह स्तोत्र समझ में आता है। यह राजा ही है जिसे युद्ध में विशेष रूप से भगवान के बचाव और सुरक्षा की आवश्यकता होती है। ईटन कहते हैं, एक राजा के लिए, हवा हमेशा घातक डार्ट्स से घनी होती है, चाहे वह प्लेग का हो, अक्सर अभियानों, शत्रुतापूर्ण शाप या हथियारों पर खतरा होता है, लेकिन भगवान उसे दिन-रात सुरक्षा प्रदान करते हैं, भले ही सेनाएं हजारों की संख्या में उसके सामने गिरती हैं। ओर।

लेकिन इसलिए, यह एक राजा है, मैं आपको वहां कुछ उद्धरण देता हूं, लेकिन युगांतशास्त्रीय मसीहाई व्याख्या यह है कि शैतान ने भजन को कैसे समझा। यीशु ने उस आधार पर उसका खंडन नहीं किया। उन्होंने बस इतना कहा कि आप भगवान की परीक्षा मत लीजिए।

तो, आपके पास पृष्ठ 235, ल्यूक 9-11 पर है, शैतान उसे यरूशलेम ले गया और उसे मंदिर के उच्चतम बिंदु पर खड़ा कर दिया। अब, मेरे मन में, यह संपूर्ण प्रलोभन दृश्य आध्यात्मिक क्षेत्र में है। मैं इसे शाब्दिक रूप से नहीं लेता।

मुझे लगता है कि यह आध्यात्मिक क्षेत्र में है और आध्यात्मिक क्षेत्र में, वह मंदिर के शिखर पर है और शैतान ने उसे दुनिया के सभी राज्य दिखाए। वह एक दृष्टि है। इससे यह बात स्पष्ट होती है कि भले ही यह एक सपना है, यह वास्तविकता है।

यह प्रतिनिधित्व कर रहा है। और वह उससे कहता है, यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो, और मैं अपनी बात कहना चाहता हूं और मैंने इसे इस तरह से समझा है, तो मेरे सारे अंडरस्कोरिंग खत्म हो गए। इसलिए, वह कहते हैं, वह इस यीशु को ईश्वर के पुत्र के रूप में पहचानते हैं।

अपने आप को यहाँ से नीचे फेंक दो। अब ध्यान दो, क्योंकि लिखा है, हे परमेश्वर के पुत्र, वह तेरे विषय में अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा, कि वे तेरी रक्षा करें। और वह इसकी पहचान ईश्वर के पुत्र के रूप में कर रहा है, जिसे स्वर्गदूत उठा रहे हैं।

इसलिए, वह उससे कहता है, अपने आप को मंदिर से बाहर फेंक दो। आइए देखें कि भगवान के स्वर्गदूत आपको कैसे उठाते हैं। उन्होंने इसे यीशु के सन्दर्भ के रूप में समझा।

ऐसा प्रतीत होता है कि यीशु ने उस व्याख्या को स्वीकार कर लिया है, कि यह उसे संदर्भित करता है। तो, यह युद्ध के प्राचीन निकट पूर्व के डेविड की भाषा में है। यह हमें सिखा रहा है कि यह राजा अजेय और अजेय है।

तो, हमारे पास तीन आवाजें हैं। हमारे पास ऐसा राजा है जो अपने विश्वास पर जोर देता है। फिर हमारे पास वह भविष्यवक्ता है जो उसे आश्वासन देता है।

और फिर भविष्यवाणी भाषण का हिस्सा तब होता है जब भगवान भविष्यवक्ता के माध्यम से बोलते हैं और उसके बारे में बात करते हैं कि उसकी रक्षा की जाएगी। तो आइए देखें कि हम पेज क्या लेंगे। हम इसे पृष्ठ 232 पर पढ़ेंगे।

और अब राजा उस की नाई बोल रहा है, जो परमप्रधान के गुप्त स्थान में रहता है। इसका मतलब है वह ईश्वर जो हर चीज़ के ऊपर है, परमप्रधान, एलियन। और जैसा कि काइंडनेस कहती है, यह हर चीज़ को आकार में छोटा कर देता है।

उसकी तुलना में बाकी सब चीज़ें छोटी हैं। गुप्त स्थान का अर्थ है वह स्थान जो दुर्गम हो, जहां केवल उन्हीं लोगों को प्रवेश की अनुमति होती है जिन्हें किसी रहस्य पर जाने की अनुमति होती है, कोई भी गुप्त संदेश उन लोगों के अलावा किसी अन्य के लिए दुर्गम होता है, जिन्हें आप उसे बताना चाहते हैं। तो, वह मंदिर का जिक्र कर रहा है, मुझे लगता है, एक गुप्त स्थान के रूप में जो केवल धर्मी लोगों के लिए ही पहुंच योग्य है।

और वह उस क्षेत्र में मंदिर में, भगवान की उपस्थिति में रहता है। छाया सुरक्षा का स्थान है। और आपके नोट्स में, मैं आपको वह डेटा देता हूं, इसलिए वह वहां सुरक्षित है।

वह वहाँ अभयारण्य में रहता है। वह यही कहता है। और अब वह अपना विश्वास कबूल करता है।

और यहां हिब्रू कहता है, मैं बार-बार कहता हूं, यही बात है। मैं कहता हूं, सिर्फ एक बार नहीं, वह अपनी जीवनशैली के लिए यही कहते हैं। वह मेरा आश्रय, सुरक्षा का स्थान और मेरा गढ़ है, जिसका अर्थ है एक चट्टान पर एक गढ़ जो अभेद्य है।

हिब्रू शब्द मेटजुदाह है। और आप इसे ऐसे सोच सकते हैं जैसे यह हिब्रू शब्द है, यह मसदा शब्द है। मसदा एक गढ़ था।

और वह कह रहा है, ईश्वर उसका मसादा है। यह दुर्गम है, अभेद्य है। यह सुरक्षित है।

तुम मेरे भगवान हो जिस पर मुझे भरोसा है। तो, राजा बोलता है और वह मेरी आशा को स्वीकार कर रहा है, मेरा भरोसा भगवान पर है। खैर, बात तो यही है।

मैं ईश्वर में सुरक्षित महसूस करते हुए अपना जीवन जी रहा हूं। यह विश्वास का गीत है। एक भविष्यवक्ता अब उससे बात करता है।

यह दो हिस्सों में बंटा है, श्लोक तीन से आठ तक। और फिर छंद नौ और 10 में परिवर्तन के बाद दूसरा भाग। फिर आपके पास दूसरा भाग छंद है, ठीक है, वास्तव में यह छंद नौ से 13 तक हो सकता है।

तो, एक भविष्यवक्ता श्लोक तीन से 13 तक बोल रहा है। और वह दो हिस्सों में बंट जाता है क्योंकि आप देख सकते हैं कि यह कैसे विभाजित है। वह बोलना बंद कर देता है।

और फिर वह श्लोक नौ में राजा की स्वीकारोक्ति को दोहराता है क्योंकि आप कहते हैं या घोषणा करते हैं, मैं ही मेरा आश्रय हूँ। और आप देख सकते हैं कि यह श्लोक एक और दो तक जाता है। और तू परमप्रधान को अपना निवासस्थान बनाना, जैसा उस ने पद एक में कहा, कि परमप्रधान मेरा शरणस्थान, और मेरा निवासस्थान है।

और अब पुजारी कहता है, वह उस पर आश्चर्य करता है क्योंकि आप कहते हैं कि वह उसे और अधिक वादे देता है। तो, यह दो हिस्सों में बंट जाता है। राजा विश्वास की स्वीकारोक्ति करते हैं।

नबी उसे वादे देता है। फिर भविष्यवक्ता अपने विश्वास को दोहराता है और दूसरे भाग में उसे और अधिक वादे देता है। और जलवायु की दृष्टि से, ईश्वर स्वयं अंतिम तीन छंदों में भविष्यवक्ता के माध्यम से बोलता है, क्योंकि ईश्वर बोलता है।

मुझे लगता है कि यहां जो कुछ हो रहा है वह एंटीफोनल है। आपके पास राजा बोलता है, एक भविष्यवक्ता बोलता है, और फिर भगवान बोलता है। वह मंदिर में है।

यह इन विभिन्न वक्ताओं के साथ प्रतिध्वनि है। मुझे लगता है कि अगर हमारे पास अलग-अलग वक्ता होते, मैं राजा होता, भविष्यवक्ता राजा से बोलता, और फिर दूसरी आवाज से बोलता, भगवान बोल रहा होता और भगवान राजा के बारे में बात कर रहा होता, जो उसके विश्वास की पुष्टि है। तो यहाँ क्या हो रहा है, राजा अपना विश्वास और भविष्यवक्ता व्यक्त कर रहा है, और जलवायु रूप से भगवान राजा को भगवान के वचन, भविष्यवाणी के साथ आत्मविश्वास दे रहा है।

इसलिए, मुझे लगता है कि यह एक आध्यात्मिक लड़ाई है और भगवान अपने राजा के विश्वास को मजबूत कर रहे हैं। हमारे लिए, ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं जानता हूँ कि वह अजेय है। वह अजेय है।

मुझे पूरा विश्वास है कि वह जीतेगा। भले ही मुझे इसे भजन 44 के साथ जोड़ना है, मैं अपने राजा को जानता हूँ और मैं भगवान को जानता हूँ जो इस राजा के पीछे खड़ा है और वह विजयी होगा। यह एक प्रकार से भजन की दिशा है।

मुझे लगता है कि एक बार हमें यह समझ आ जाए, तो हम इस भजन को समझना शुरू कर सकते हैं। इसलिए, मैं कहता हूँ, वह ईश्वर को सर्वोच्च और सर्वशक्तिमान कहने से शुरुआत करते हैं। वह सभी चीजों पर हावी है और वह सर्वशक्तिमान है।

उसके पास अद्वितीय पहुंच है जो केवल संत के पास है। भगवान संत को गुप्त परिषद में ले जाते हैं। हमारे पास अविश्वासी की पहुंच है, जिस तक अविश्वासी की पहुंच नहीं है।

हम छाया में सुरक्षित हैं। इसकी शुरुआत उस व्यक्ति से होती है जो निवास करता है और जो निवास करता है। यह है वो जगह जहां मैं रहता हूँ।

मैं भगवान की उपस्थिति में रहता हूँ. यही हमें चाहिए। मैं ईश्वर, सर्वशक्तिमान की उपस्थिति में रहना चाहता हूँ, उस स्थान पर जहाँ अधिकांश लोगों को उसकी कृपा की पहुंच नहीं है क्योंकि वे विश्वास नहीं करते हैं।

जो कोई भी इसे चाहता है वह इसे प्राप्त कर सकता है। परमेश्वर की कृपा उन सभी पर है जो उसे स्वीकार करेंगे। अब राजा का वादा आता है और वह उससे वादा करता है कि वह श्लोक तीन में, उसे छुड़ाएगा और उसकी रक्षा करेगा।

वह श्लोक तीन और चार हैं। श्लोक पाँच और छः में, वह चौबीसों घंटे सुरक्षित रहेगा, श्लोक पाँच के अंत में रात और दिन, श्लोक ए में रात, श्लोक बी में दिन। और यह एक मेरिस्मस है, जिसका अर्थ है हर समय।

वह इसे पद छह में फिर से उठाता है, उस महामारी से जो अंधेरे में फैलती है, उस महामारी से जो दोपहर में फैलती है, प्रकाश का प्रकाश। तो, जब आप कविता पढ़ते हैं तो आपके पास ये गुण होते हैं, आप उन्हें एक साथ रख सकते हैं और आपको बात समझ में आ जाती है। यह हर समय है, मैं उस युद्ध के मैदान में आपके साथ हूँ।

तुम कभी अकेले नहीं हो। और फिर उसे उसकी जीत की गारंटी देता है, कि वह दुष्टों का नाश करेगा। वह अपने चारों ओर दुष्टों का विनाश देखेगा।

भगवान उसके साथ है. तो वे हैं, पहले भाग में, वे चार में से तीन हैं, तीन चौपाइयां। तो, आपके पास तीन और चार, पांच और छह, सात और आठ हैं।

और आप देख सकते हैं कि वे एक साथ चलते हैं। तीन और चार, वह तुम्हें बहेलिये के जाल से छुड़ाएगा। यानी, वे आपको गुप्त रूप से वहां नष्ट करने की कोशिश करेंगे जहां आपको इसकी उम्मीद नहीं होगी।

और विनाशकारी प्लेग से. इस स्तोत्र में प्लेग एक बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदु है। ध्यान दें कि श्लोक पाँच में, यह सेना है।

दिन के पहर से रात के डर से मत डरो। फिर श्लोक छह इस महामारी को उस महामारी से उठाता है जो अंधेरे में दोपहर के समय फैलने वाली महामारी से फैलती है। भजन में मैं जो तर्क देता हूँ वह यह है कि प्लेग एक बुबोनिक प्लेग है।

प्राचीन ग्रीस में युद्ध के मैदान पर बुबोनिक प्लेग एक वास्तविक खतरा था। तो पूरी संभावना है कि जब प्रभु के दूत ने असीरियन सेना पर हमला किया और 185,000, असंख्य के बारे में बात करें, 185,000 उस समय गिर गए जब वे यरूशलेम को घेर रहे थे। हेरोडोटस हमें बताता है कि कहानी दोहराई गई थी।

यह कहानी लगभग 700 वर्ष की है। यूनानी इतिहासकार, हेरोडोटस, लगभग 400 वर्ष का था। और जब वह वहां होता है, तो वह अपने अनुभव और साहसिक कार्य बता रहा होता है।

वह एक इतिहासकार हैं। वह मिस्र जाता है। वह सन्हेरीब के बारे में कहानी सुनता है और वह अपनी सेना के विनाश के बारे में सुनता है।

जैसा कि वह विवरण देता है, उसे यह पता चलता है कि वे इसका श्रेय चूहों को देते हैं। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि चूहों का इससे क्या लेना-देना है। उनके पास कोई चिकित्सीय वैज्ञानिक ज्ञान नहीं है।

तो वह कहता है, ठीक है, चूहों ने उनके सारे तरकश निगल लिए होंगे, उनके हथियार और सामान इत्यादि भी चट कर दिए होंगे। वह इसे इसी तरह समझता है। लेकिन सभी संभावनाओं में, हम चूहों को जोड़ते हैं, वे एक निश्चित पिस्सू ले जाते हैं।

हम चूहों को ब्यूबोनिक प्लेग से जोड़ते हैं। मुझे लगता है कि यह प्रभु का दूत था जिसने असीरियन सेना को नष्ट करने के लिए बुबोनिक प्लेग का इस्तेमाल किया था। यह दिलचस्प है कि हेरोडोटस उस पूरी कहानी को अपने तरीके से प्रमाणित करता है।

मुझे लगता है कि वाचा के सन्दूक के साथ भी यही हुआ था जब पलिशतियों ने इस पर कब्ज़ा कर लिया था। किसी प्रकार की एपोटोपिक से बचने के लिए, उन्होंने चूहों और ट्यूमर की छवियां बनाईं, जो दोनों बुबोनिक प्लेग से जुड़े हुए हैं। मुझे लगता है कि हमारे आधुनिक दृष्टिकोण से, हमने इसे बुबोनिक प्लेग के रूप में वर्णित किया होगा।

वह यही कह रहा है। तब यह समझ में आता है क्योंकि तब वह कहता है कि प्लेग अंधेरे में चलता है क्योंकि एक सैनिक के बाद दूसरा सैनिक मर जाता है। फिर ध्यान दें, यह उस महामारी से कहता है जो फैलती है और अब यह पहुंच गई है, मुझे लगता है कि यह महामारी के अनुपात में है।

अब तो चल ही नहीं रहा है। यह एक से दूसरे से दूसरे तक प्लेग के लिए उपयुक्त है। तो प्लेग अंधेरे में चल रहा है और फिर दोपहर में यह महामारी का रूप ले लेता है।

परिणाम यह हुआ कि सेना उसके चारों ओर गिर गई, जैसा कि हिजकिय्याह के दिनों में असीरियन सेना के पतन के समय हुआ था। तो यहाँ एक राजा है जिसके दाहिनी ओर पूरी सेना है। यह नहीं कहता कि उसने तलवार या किसी चीज़ का प्रयोग किया।

यह सिर्फ इतना कहता है कि भगवान ने इसे चमत्कारिक ढंग से नष्ट कर दिया। यह उसके दाहिने हाथ पर है और वह इसे देखता रहता है। उसके दाहिने हाथ से पूरा शत्रु पूरी तरह पराजित हो गया है।

और तब मैं श्लोक 7 को समझता हूँ, तेरे निकट हजार, तेरे दाहिनी ओर असंख्य गिरेंगे, परन्तु मरी तेरे निकट न आएगी। प्लेग दूसरों को तो नष्ट कर सकता था, लेकिन राजा को छू नहीं सकता था। यह आपके पास नहीं आएगा।

यह आपसे पैदल दूरी पर नहीं है। तुम उसे देखोगे, परन्तु वह तुम्हारे निकट नहीं आयेगा। आप इसके परिणाम देखेंगे, लेकिन आप नहीं।

आप ईश्वर और पवित्र युद्ध से सुरक्षित हैं। मैं इसे दुश्मन को नष्ट करने के लिए बुबोनिक प्लेग का उपयोग करने के रूप में लेता हूँ। और वह भजन को एक साथ रखता है।

और फिर हम दूसरे भाग की ओर बढ़ते हैं। इसलिए, दोबारा पढ़ते हुए, मुझे लगता है कि आप देख सकते हैं, मुझे बस वितरित और संरक्षित पढ़ने दीजिए। वह निश्चय तुम्हें शत्रु के जाल से और विनाशकारी विपत्ति से बचाएगा।

फिर वह कहता है, कि वह अपने परों से तुझे अपने पंखों के नीचे छाया देगा। आप उसकी शरण ले सकते हैं। उसकी सच्चाई ढाल और प्राचीर है।

और अब चौबीसों घंटे डरो मत। दिन में उड़ने वाले तीरों से रात के भय से मत डरो। लेकिन रात में आतंक तीर हो सकता है क्योंकि मैं आपको आपके नोट्स में डेटा देता हूँ जहां उन्हें वास्तव में रात में लड़ना पड़ा था।

और फिर मरी से, और फिर उस पर एक हजार तुम्हारे पक्ष में गिरेंगे, तुम्हारे दाहिने हाथ पर असंख्य, शत्रु का पूर्ण विनाश। केवल अपनी आंखों से ही तू देखेगा और तू दुष्टों का बदला देखेगा। तो, दूसरे शब्दों में, आप देखेंगे कि ईश्वर आपके एक उंगली उठाए बिना ही शत्रु का नाश कर देगा।

भगवान तो शत्रु का नाश ही करते हैं। फिर वह उसे उठाता है और उससे आगे निकल जाता है। ईश्वर के पंखों की छाया के नीचे, पंखों के नीचे रहना बहुत अच्छा है, जिससे स्वर्गदूत आपको थाम लेंगे।

ताकि, आपको ठोकर न लगे और आप अपना मिशन पूरा कर सकें। तो यहाँ वास्तविक वृद्धि है। विपत्ति तुम्हें नहीं मिलेगी।

कोई विपत्ति तेरे तम्बू के निकट न फटकेगी। और फिर, तम्बू से पता चलता है कि हम युद्ध के मैदान में हैं। निश्चय, वह तुम्हारे लिये अपने स्वर्गदूतों को आज्ञा देगा कि वे तुम्हारी हर प्रकार से रक्षा करें।

और मैं तुम्हें स्वर्गदूतों का डेटा देता हूँ कि वे कैसे रक्षा करते हैं। और फिर वह कहता है, वे तुम्हें हथेली पर उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तुम्हारे पैर में पत्थर लग जाए। आपकी जीत में कोई बाधा नहीं बनेगी।

वे बस अपने हाथों से तुम्हें उठा लेंगे और ले जायेंगे। इसलिए, आप ठोकर खाकर चट्टान से नहीं गिरेंगे और आपको अकेले ही सहना पड़ेगा। पूरी लड़ाई का मुद्दा यही है।

आप शेर और कोबरा को हराने जा रहे हैं, और वे आपके पैरों के नीचे होंगे। और यही उसने बगीचे में आदम और हव्वा से वादा किया था। तुम साँप का सिर कुचल डालोगे।

और यहाँ वह सिंह और नाग पर है, तुम चलोगे। और तुम्हें याद है शेर और नाग का उपयोग कहीं और बाबुल के लिए और मिस्र के लिए किया जाता है, शेर और नाग का। मुझे लगता है कि आप सभी ने फिरौन का साफ़ा देखा होगा।

इसमें हमेशा वह कोबरा होता है जिसे यूरियस कहा जाता है। और वह कोबरा उसकी संप्रभुता, उसके शासकत्व, उसके देवता और उसके अधिकार का प्रतीक है। यह उसके प्रभुत्व का प्रतीक है।

और मुझे लगता है कि जब वह कहता है, आप कोबरा पर कदम रखने जा रहे हैं, यदि आप मिस्र के बारे में कुछ भी जानते हैं और आप उरियस को देखते हैं, तो आप अच्छी तरह से जानते हैं कि वह यहां क्या कह रहा है। वह अंततः मिस्र को नष्ट कर देगा। और फिर भगवान उसे उठा लेते हैं क्योंकि वह मुझसे चिपक जाता है।

और इसका मतलब यह है कि क्योंकि मैं उसके लिए बहुत आकर्षक हूँ, मैं उसे बचा लूंगा। मैं उसे ऊँचे स्थान पर रखूंगा क्योंकि वह मेरा नाम जानता है। वह मुझे पुकारेगा और मैं उसे उत्तर दूंगा।

मैं संकट में उसके साथ रहूंगा। मैं उसे पहुंचा दूंगा। मैं उसकी महिमा करूंगा।

मैं उसे अनन्त दिनों और अनन्त जीवन से तृप्त करूंगा। उनकी जीत का कोई अंत नहीं है। और मैं उसे अपना उद्धार दिखाऊंगा क्योंकि यह उचित और सही है।

प्रभु से कितना जबरदस्त वादा है! क्या जबरदस्त भजन है। ठीक है।

वह भजन 91 होगा। मेरे पास यहाँ जाने के लिए एक और भजन है। यह इसे वास्तव में विश्वास का स्तोत्र बनाता है।

ऐसा नहीं हो सकता कि आप उसे ईश्वर पर प्रोजेक्ट करें या मान लें। दूसरे शब्दों में, प्रोजेक्ट करना और कहना, आप जानते हैं, भगवान, मैं आपसे उन चीजों को करने की उम्मीद कर रहा हूँ। आपको बस उस पर भरोसा करना है।

यह सही है। खैर, मुझे लगता है कि यह मसीहा के बारे में है। यह मसीहा के बारे में है क्योंकि यह जॉन द बैपटिस्ट के बारे में सच नहीं है।

भजन 44 में जो होता है वह सच नहीं है। यह एक प्रकार है, लेकिन ऐसा नहीं है। मैं इसे पृष्ठ 234 पर रखूंगा।

मैं कहता हूं, सबसे पहले, यह राजा के बारे में है और फिर डी एस्केटोलॉजिकल मेसिअनिक के बारे में, भजन का आश्वासन कि भगवान राजा को चौबीस घंटे की लड़ाई में दुष्टों से बचाएगा, सार्वभौमिक रूप से सत्य नहीं है। भजन 44 में यह सच नहीं था। यह पॉल के बारे में सच नहीं था।

मैथ्यू 14, 1 से 12 में यह सच नहीं था। ओह, नहीं। हाँ।

यह जॉन द बैपटिस्ट के बारे में सच नहीं था। यह आज के चर्च के बारे में सच नहीं है। यह ईसा मसीह के बारे में है और यह उनके बारे में सच है।

वह एक आश्वासन है कि चूँकि वह विजयी और अजेय हो सकता है, हम उसमें हैं और अंततः, हम उसमें विजय प्राप्त करेंगे। यही तो मैं जीवन भर कहता रहा हूँ। कोई भी बुराई कभी छू नहीं पाई, कोई भी यीशु को तब तक छू नहीं सका जब तक उन्होंने अपना जीवन नहीं त्याग दिया।

यह भजन उसके लिए सच है, लेकिन हर किसी के लिए नहीं। मैं सोचता हूँ कि यह एक महत्वपूर्ण अंतर है, बहुत महत्वपूर्ण अंतर है। क्योंकि अन्यथा, यदि आप इसे पढ़ते हैं, तो मुझे यह सच नहीं लगता।

यह सच ही नहीं लगता। यह सच नहीं लगता। मैं इसे 44 के साथ सुसंगत नहीं बना सकता, लेकिन मैं इसे रख सकता हूँ।

देखिए, यह राजा के बारे में है और यह एक अनोखा राजा है जो अजेय है। कोण है वोह? तो, मेरे लिए, यीशु ने कहा, भजन मेरे बारे में बोलते हैं। मुझे लगता है कि हम चिकित्सा प्रचार में इतनी रुचि रखते हैं कि हम वास्तव में मसीह की महिमा को नहीं समझते हैं।

हाँ। श्लोक नौ में एनआईवी कहता है कि यदि आप अपने कारण के बजाय सबसे अधिक समय बिताते हैं। हाँ।

मैं अपनी टिप्पणी से असहमत हूँ। मैं एनआईवी से असहमत हूँ। वहाँ शब्द है की।

यह निश्चित रूप से शब्द है। इसका मतलब है क्योंकि। इसका मतलब यह हो सकता है, देखिए, मुझे नहीं लगता कि यह संभवतः कानूनी भाषा में हो सकता है, इसका मतलब यह हो सकता है कि, लेकिन यदि आप परमप्रधान बनाते हैं, तो यह छंद एक और दो में फिट नहीं बैठता है जहाँ उन्होंने कहा कि परमप्रधान आश्रय है और सुरक्षा।

इसलिए, यदि यह है, तो यह उचित है, यह अलंकारिक होगा। यह आप ही करते हैं, यदि आप करते हैं और आप करते हैं, लेकिन आपको जोड़ना होता है, इसीलिए मुझे लगता है कि इसका केवल अनुवाद करना ही बेहतर है क्योंकि, जो इसका सामान्य अर्थ है। यह सशर्त या संदिग्ध नहीं है क्योंकि उन्होंने कहा, ईश्वर सर्वोच्च है।

धन्यवाद। मुझे याद है वोह। इसलिए आपका धन्यवाद।

मुझे वास्तव में यह पसंद है। मुझे प्रश्न पसंद हैं और मुझे लगता है कि हमें प्रश्न पूछना चाहिए। तो ठीक है।

मुझे लगता है कि मैंने आपको बताया था कि हार्वर्ड में मेरा एक दोस्त था और उसने अपने पांचवें बेटे का नाम मेरे नाम पर रखा था। क्या मैंने तुम्हें यह बताया था? हुंह? हाँ तुमने किया। मैंने किया।

हाँ। ठीक है। क्योंकि मैं प्रश्न पूछता हूँ।

इसलिए, जब आप प्रश्न पूछें तो धन्यवाद। ठीक है। अब हम पृष्ठ 139, 250 पर जा रहे हैं।

धन्यवाद। ठीक है। आइए बस स्तोत्र का आनंद लें, और उस पर मनन करें।

यह फिर से इन महान, महान भजनों में से एक है। हाँ। 139.

और मैं जो करूंगा वह यह है कि मैं इसे पढ़ूंगा और इस पर टिप्पणी करूंगा जैसा कि हम करते रहे हैं। और मैं जो कुछ भी कहता हूँ वह आपके नोट्स में है। तो, ठीक है, आइए इसे पढ़ें।

यह डेविड का भजन है। मैं हूँ, तुम मुझे खोजते हो और इसलिए तुम मुझे जानते हो। तुम्हें मालूम है कि जब मैं बैठता हूँ और जब उठता हूँ, तो तुम दूर से मेरे विचारों पर विचार करते हो।

मेरा बाहर जाना, मेरा लेटना, तू समझ लेता है। आप मेरे सभी तरीकों से परिचित हैं। निःसंदेह इससे पहले कि कोई शब्द मेरी जीभ पर आए, मैं हूँ, तुम्हें इसका पूरा पता चल जाता है।

पीछे और इससे पहले कि तुम मुझे घेर लो, तुमने अपने हाथ की हथेली मुझ पर रख दी है। ऐसा ज्ञान मेरे लिए बहुत अद्भुत है। यह बहुत अधिक है।

मेरे पास इसे मापने की शक्ति नहीं है। मैं तुम्हारी आत्मा से बचने के लिए कहाँ जा सकता हूँ? आपकी उपस्थिति से दूर मैं कहाँ जाऊँ? यदि मैं स्वर्ग पर चढ़ूँ, तो तुम वहाँ हो। यदि मैं कब्र में अपना बिस्तर बिछाऊँ, तो तुम देखो।

यदि मैं भोर के पंखों पर और प्रकाश के सहारे समुद्र के पार उठूँ, तो वहाँ भी तेरा हाथ मेरा मार्गदर्शन करेगा। तेरा दाहिना हाथ मुझे तेजी से थाम लेगा। और फिर मैंने सोचा, निश्चित रूप से अगर अंधेरा मुझे कुचल दे और अगर रोशनी मेरे चारों ओर रात बन जाए, तो अंधेरा भी तुम्हारे लिए बहुत अंधेरा नहीं होगा।

और रात भी दिन के समान चमकेगी। अंधेरा ही आपके लिए प्रकाश है। क्योंकि आपने सचमुच मेरी किडनी को जन्म दिया है, जो कोई महान कविता नहीं है।

मैं किंग जेम्स के बारे में सोचता हूँ, वे इससे बच जाते हैं, क्योंकि आपने जन्म दिया, आपने बनाया, उन्होंने इसका अनुवाद किया, आपने बनाया। और वे कहते हैं, लगाम, लगाम, यह अच्छा लगता है। यह किडनी के लिए फ्रेंच शब्द है।

ठीक है। आपने मेरी भावनात्मक संरचना को जन्म दिया। तुमने मुझे मेरी माँ के गर्भ में एक साथ प्यार किया।

मैं आपकी प्रशंसा करता हूँ क्योंकि मैं बेहद असाधारण हूँ। आपके कार्य अद्भुत हैं। मैं इसे भली-भाँति जानता हूँ।

जब मैं उस गुप्त स्थान में गढ़ा गया, और पृथ्वी की गहराइयों में रंग-बिरंगा बुना गया, तब मेरी ढाँचा तुम से छिपी न रही। मेरा भ्रूण, तेरी आँखों ने देखा। और वे सब आपकी पुस्तक में लिखे हुए थे।

मेरे वे दिन आ गए जब उनमें से कुछ भी नहीं था। और मेरे लिए, आपके विचार कितने मूल्यवान हैं, भगवान? उनका अभिप्राय कितना व्यापक है? यदि मैं उन्हें गिनूँ तो उनकी संख्या रेत के कणों से भी अधिक होगी। मैं जाग गया हूँ और मैं अभी भी तुम्हारे साथ हूँ।

हे परमेश्वर, यदि तू उन दुष्टों, खून के प्यासे मनुष्यों को मार डालता, तो मुझ से दूर हो जाता, जो बुरे इरादे से तेरे विषय में बातें करते हैं। आपके विरोधी आपके नाम का दुरुपयोग करते हैं। क्या मैं उन लोगों से नफरत नहीं करता जो तुमसे नफरत करते हैं? मैं हूँ मैं हूँ।

और देखो, जो लोग तुम्हारे विरुद्ध उठते हैं, मैं उनसे पूरी घृणा करता हूँ। वे मेरे शत्रु बन गये हैं। मुझे खोजो, हे भगवान, और मेरे हृदय को जानो।

मेरी परीक्षा करो और मेरे चिन्तापूर्ण विचारों को जानो और देखो कि मुझमें कोई आक्रामक मार्ग है या नहीं और मुझे अनन्त मार्ग पर ले चलो। स्तोत्र को मोटे तौर पर देखें तो इसमें 24 छंद हैं। यह छह छंदों वाले चार छंदों में आता है।

मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है। पहला छंद छंद एक से छह भगवान की सर्वज्ञता की बात करता है, कि भगवान उसे जानता है। आप इसे चूक नहीं सकते।

श्लोक तीन, आप जानते हैं। श्लोक चार, आप जानते हैं। श्लोक छह, ऐसा ज्ञान।

तो, वह बात कर रहा है कि भगवान, आप मुझे जानते हैं, उसकी सर्वज्ञता को। अगले श्लोक में वह ईश्वर की सर्वव्यापकता के बारे में बात करते हैं। जैसे किसी पद्य की शुरुआत सारांश कथन से होती है, मैं हूँ, आप मुझे खोजते हैं और इसलिए आप मुझे जानते हैं।

और यही उस छंद का परिचय है। अतः उससे हमें ईश्वर की सर्वव्यापकता का परिचय मिलता है। मैं तुम्हारी आत्मा से कहाँ जा सकता हूँ? आपकी उपस्थिति से दूर मैं कहाँ जाऊँ? और उत्तर है, जाहिर है, मैं नहीं कर सकता।

आप हर जगह हैं। और जैसे-जैसे आप श्लोक से आगे बढ़ते हैं, वह समाप्त होता है, कि हर जगह भगवान उसके साथ हैं। वह चलता है।

तो, आपके पास ज्ञान के छह श्लोक हैं और आपके पास भगवान की उपस्थिति के सात श्लोक हैं। भगवान, आप मुझे जानते हैं, और भगवान आप मेरे साथ हैं। मैं इससे बच नहीं सकता।

श्लोक 13 से श्लोक 17, श्लोक 18 और अगले छह श्लोकों में, वह ईश्वर की सर्वव्यापकता की बात करता है। वह उसे बना रहा है, तुमने मुझे बनाया है। और यह नोटिस आयत 13 का प्रमाण है, इस प्रमाण के लिए कि आप मुझे जानते हैं और इस बात का प्रमाण है कि आप मेरे साथ हैं, यह तथ्य है कि आपने मुझे बनाया है और देखो आपने मुझे कहाँ बनाया है।

तू ने मुझे मेरी माता के गर्भ की अस्थियारी जलमय कोठरी में डाल दिया। तो आपके पास चार श्लोक हैं जो प्रमाणित करते हैं क्योंकि भगवान ने उसे बनाया और उसे ऐसा बनाया कि भगवान उसे जानता है और भगवान उसके साथ है। पद 18 के अंत में, वह चिंतन की अवस्था छोड़ देता है।

और वह कहता है, जब मैं जागता हूँ, तब भी मैं तुम्हारे साथ हूँ। अब जागते हुए, दूसरे शब्दों में, वह भगवान के बारे में सोच रहा है। वह अपनी सर्वज्ञता के बारे में सोच रहा है।

वह अपनी सर्वव्यापकता के बारे में सोचता रहा है। वह अपनी सर्वव्यापकता के बारे में सोच रहा है कि उसने उसे बनाया है। और इसलिए, ये सब सच है।

अब वह जाग गया है और वह वास्तविक दुनिया में वापस आ गया है। और हम अचानक खुद को वास्तविक दुनिया में पाते हैं। वह ईश्वर के बारे में सोच रहा है, लेकिन अब वह श्रद्धा की स्थिति छोड़ देता है और अपने चारों ओर की दुनिया को देखता है।

वह शत्रुओं और दुष्टों से घिरा हुआ है। और वह कहता है, मुझसे दूर हो जाओ। ईश्वर के बारे में उनका चिंतन मुझे जानता है और यह कि ईश्वर मेरे साथ मौजूद हैं, उनके आत्मविश्वास को बढ़ावा दे रहा है क्योंकि उनके आसपास ये सभी दुष्ट लोग हैं।

और इसलिए, वह कहता है, मुझसे दूर हो जाओ। और वह परमेश्वर से कहता है, मैं तेरे संग हूँ। और मुझे नफरत है कि ये कौन लोग हैं, जो आपके नाम का दुरुपयोग करते हैं, ये अनुबंध तोड़ने वाले।

और वे उसकी हत्या करने की कोशिश कर रहे हैं। और मुझे दुष्टता से नफरत है। और फिर वह पीछे हट जाता है।

वह न केवल शत्रु को मरना चाहता है, बल्कि अब वह कहता है, मैं अपने बारे में इतना आश्वस्त नहीं हूँ। मैं आश्वस्त होना चाहता हूँ कि मैं वास्तव में आपके साथ हूँ। हे भगवान, मुझे खोजो और मेरे हृदय को जानो, मुझे परखो और मेरे व्याकुल विचारों को जानो।

दूसरे शब्दों में, मैं आश्चर्य होना चाहता हूँ कि मैं आपका आदमी हूँ। यह स्त्री के लिए होगा, तुम अपनी स्त्री हो। और देखिये कि क्या मुझमें कोई आक्रामक तरीका है।

और यदि है, तो मुझे उस से छुटकारा दिलाकर अनन्त मार्ग पर ले चल। तो, वह आत्मविश्वास पा रहा है क्योंकि भगवान उसे जानता है। भगवान उसके साथ है।

भगवान ने उसे बनाया। और इसलिए, वह वास्तविक दुनिया में आता है और कहता है, हे भगवान, मैं इस चरण में आपके साथ हूँ जिसमें हम खुद को अच्छे और बुरे, न्याय और अन्याय और सच्चाई और भ्रम के बीच इस लड़ाई में पाते हैं। भगवान, मैं तुम्हारे साथ हूँ।

लेकिन एक मिनट रुकें, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि चिंताजनक विचार हों। क्या मैं इतना पवित्र हूँ? मेरे मन में इस बारे में चिंताजनक विचार आये। क्या मैं सचमुच इतना पवित्र हूँ? मुझे परखें।

और वह कहता था, मुझे बता दो कि मुझे यकीन है कि मैं तुम्हारे पक्ष में हूँ। यह बहुत सच्ची प्रार्थना है। आइए फिर चीजों का व्यापक दृष्टिकोण प्राप्त करके वापस जाएं और केवल पहले श्लोक को देखें, सारांश कथन, मैं हूँ, आपने मुझे खोजा है।

यह एक मर्मज्ञ, मेहनती, कठिन जांच से संबंधित है। वह भगवान है, अपने दिल या दूसरे व्यक्ति के दिल को जानना बहुत कठिन है। वास्तव में व्यक्ति के अंदर क्या चल रहा है?

मुझे हमेशा यकीन नहीं होता कि मैं जानता हूँ कि वास्तव में मेरे अंदर क्या चल रहा है, लेकिन भगवान, आप जानते हैं, और वह कहते हैं, आपने मेरे मूल अस्तित्व तक पहुंचने के लिए मेहनती, कठिन खोज की। ईश्वर आपके मूल मूल को अंत तक जानता है, कि आप वास्तव में कौन हैं। ईश्वर जानता है कि आप कौन हैं, यह कोई नहीं जानता।

शायद तुम्हें भी पूरा पता न हो, लेकिन ईश्वर जानता है। वह जानता है कि आप कौन हैं। और फिर वह इसे विकसित करता है।

और वह कहता है, आप मुझे हर समय इस मेरिज्म, मेरिज्मस से जानते हैं। तुम्हें पता है कि मैं कब बैठता हूँ, तुम्हें पता है, जब मैं उठता हूँ। और दूर रहते हुए भी तुम दूर से ही मेरे विचारों पर विचार करते हो।

तो, भले ही आप स्वर्ग में हों, आप ठीक-ठीक जानते हैं कि मैं क्या कर रहा हूँ। वह पहाड़ी पर मवेशियों को जानता है। वह हमारे सिर के बालों को जानता है।

वह सब कुछ जानता है, गौरैया जो गिरती है। और वह उससे भी आगे हमारे अस्तित्व की गहराइयों को जानता है। और वह हमें हर समय जानता है।

तो, आज सुबह उठने से लेकर रात को बिस्तर पर जाने तक, भगवान आपको जानता है। वह वास्तव में आपको हर समय जानता है। और इसके अलावा, न केवल समय में, बल्कि अंतरिक्ष में भी, आप जानते हैं, मेरा बाहर जाना और मेरा लेटना।

तो, और वास्तव में बाहर जाना सार्वजनिक है। लेटना अक्सर सहवास के लिए उपयोग किया जाता है, यह मेरा सबसे निजी क्षण है। दूसरे शब्दों में, आप मुझे सार्वजनिक रूप से जानते हैं, आप मुझे निजी तौर पर जानते हैं, मेरे सबसे निजी क्षणों को जानते हैं, आप मुझे जानते हैं, भगवान वहाँ है।

दरअसल, मैंने यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि मैं क्या करने जा रहा हूँ। आप मुझे इतनी पूरी तरह से जानते हैं कि जिस बिंदु पर मैं मौखिक रूप से बता रहा हूँ कि मैं क्या करने जा रहा हूँ, आप इसे समय से पहले ही जानते थे। वह ज्ञान है।

इससे पहले कि कोई शब्द मेरी जुबान पर आए, तुम्हें ठीक-ठीक पता चल जाता है कि मैं किस बारे में हूँ। अब यह बहुत आरामदायक हो सकता है, लेकिन कुछ हद तक परेशान करने वाला भी हो सकता है। डेविड थोड़ा पीछे हट गया और उसे एहसास हुआ कि मैं इससे बच नहीं सकता।

मेरे पास कभी कोई निजी पल नहीं होता। मैं कभी नहीं। और इसलिए, वह अब इस ज्ञान से घिरा हुआ महसूस करता है।

तुमने मुझे अपने पीछे घेरा, पीछे, और इससे पहले कि तुम मुझे घेरते, तुमने अपनी हथेली अपने सिर पर रख ली। मैं तुमसे बच नहीं सकता। और ऐसा ज्ञान मेरे लिए बहुत अद्भुत है।

यह सब समझ से परे है। और फिर यह बहुत अधिक है। मेरे पास इसे स्केल करने की शक्ति नहीं है।

दूसरे शब्दों में, मैं इस जागरूकता के नीचे से बाहर नहीं निकल सकता। तो, यह पसंद है या नहीं, भगवान आपको हर समय, हर जगह जानता है, आपके सभी विचार, आपके बारे में सब कुछ, भगवान जानता है। और यदि आपका हृदय सही है, तो यह आरामदायक है।

यदि आपका हृदय सही नहीं है, तो यह बेचैन करने वाला हो सकता है। दूसरा सारांश कथन ईश्वर की सार्वभौमिक उपस्थिति है। वह सारांश है, मैं तुम्हारी आत्मा से कहाँ बच सकता हूँ? आपकी उपस्थिति से दूर मैं कहाँ जाऊँ? और वहाँ वह इसे सबसे पहले ऊर्ध्वाधर अक्ष पर देखता है।

और फिर वह इसे क्षैतिज अक्ष पर देखता है। तो, वह इसे ऊर्ध्वाधर अक्ष पर देखता है और इसे ऊपर और नीचे देखता है। यदि मैं स्वर्ग पर चढ़ूँ, तो तुम वहाँ हो।

यदि मैं कब्र में अपना बिस्तर बिछाऊँ, तो देखो, तुम भी वहाँ हो। और यह केवल अंतरिक्ष में नहीं है, यह गुणवत्ता में है क्योंकि स्वर्ग आनंद है और कब्र नरक है। तो, चाहे अच्छा हो या बुरा, ईश्वर मौजूद है।

तो, चाहे आप आनंद में हों या दर्द में हों, भगवान वहाँ हैं। वही हमारा भगवान है। और उसे क्षैतिज अक्ष पर देखते हुए, भोर के पंखों पर उगना कहां है।

अर्थात्, वह सुबह की रोशनी को आकाश में उड़ते पंखों के रूप में देखता है। और भोर के पंखों पर चढ़कर आकाश और प्रकाश की उस गति से समुद्र के पार उड़ना कहां है, वहां भी तेरा हाथ मेरा मार्गदर्शन करेगा, और तेरा दाहिना हाथ मुझे दृढ़ता से थामे रहेगा। तो लंबवत, मात्रात्मक रूप से, ऊंचाई, गहराई, गुणात्मक रूप से, स्वर्ग, नर्क, मात्रात्मक रूप से, पूर्व, पश्चिम।

लेकिन उस दुनिया में, पूर्व दिशा में जहां सूरज उगता था, वही जीवन था। और पश्चिम में जहां सूरज डूबता था, वह मृत्यु थी। इसलिए, उदाहरण के लिए, यदि आप मिस्र जाते हैं और नील नदी के नीचे जाते हैं, तो आप बता सकते हैं कि जीवन के सभी मंदिर नील नदी के पूर्वी तट पर हैं और पिरामिड और राजाओं की घाटी, कर्णक मंदिर, उदाहरण, जीवन के पूर्व की ओर है।

लेकिन हत्शेपसुत की कब्र पश्चिम में है। तो, सभी कब्रें पश्चिम में हैं जहां सूरज डूबता है और अंधेरा होता है। तो प्रतीकात्मक रूप से, पूर्व जीवन है, पश्चिम मृत्यु है।

और वह यहां इसी बारे में बात कर रहा है। तो, चाहे मैं ऊपर स्वर्ग में जाऊं या नीचे नरक में, अगर मैं सुबह की रोशनी में जाऊं, या मैं अंधेरे में डूबते सूरज के पास जाऊं, यह सब आपके लिए समान है। मैं इससे बच नहीं सकता।

वहाँ भी तेरा हाथ मुझे राह दिखाएगा, तेरा दाहिना हाथ मुझे पहले थाम लेगा। और फिर वह इसके बारे में अलग तरह से सोचता है। और फिर उसने कहा, अब मैं अंधकार में हूँ, घोर अंधकार।

और अंधकार, निःसंदेह, मृत्यु, खतरे, भय, हर चीज़, अराजकता, हर चीज़ का प्रतीक है। तुम इधर-उधर लड़खड़ाते हो। आप नहीं जानते कि आप कहां हैं।

आप चीजों से टकराते हैं। यहीं चोर हैं इत्यादि। और मैं ने कहा, निश्चय यदि अन्धकार मुझे पार कर जाए, और यदि प्रकाश मेरे चारों ओर रात बन जाए, तो तुम्हें कोई अन्तर न पड़ेगा।

अँधेरा भी आपके लिए बहुत अँधेरा नहीं होगा। और रात भी दिन के समान चमकेगी। अँधेरा ही आपके लिए प्रकाश है।

तो भगवान को कोई फ़र्क नहीं पड़ता, चाहे कितना भी अँधेरा हो। भगवान के लिए, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। अब आता है प्रमाण, सत्यापन।

क्योंकि तुमने जन्म दिया। वह जीवन की जैविक वास्तविकताओं से इनकार नहीं कर रहा है। वह परम कारण तक जाता है।

उन जैविक वास्तविकताओं के पीछे, जिन्हें प्राकृतिक मनुष्य केवल देखता है, उन सबके पीछे, ईश्वर है जो जीवन दे रहा है। यह अजन्मे के बारे में बहुत कुछ कहता है। क्योंकि आपने मेरी बुनियादी भावनात्मक संरचना को जन्म दिया है।

तुमने मुझे मेरी माँ के गर्भ में एक साथ प्यार किया। और फिर मैं आपकी प्रशंसा करता हूँ क्योंकि मैं भयानक रूप से असाधारण हूँ। आपके कार्य अद्भुत हैं।

मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूँ। और मुझे लगता है कि हम सभी ने एक इंसान और उसके जन्म के चमत्कार को महसूस किया है। यह बहुत बढ़िया है।

और वह भगवान है। और आप उसे कैसे नष्ट कर सकते हैं यह मेरे लिए भयानक है। यह उनकी महान कृति है।

मैं आपकी प्रशंसा करता हूँ क्योंकि मैं बेहद असाधारण हूँ। आपके कार्य अद्भुत हैं। मैं यह भली-भाँति जानता हूँ।

और जब मैं उस गुप्त स्थान में जो भाई के गर्भ में है, तब मेरी देह तुझ से छिपी न रही। जब मैं रंगीन रूप से एक साथ बुना गया था जैसा कि यह पृथ्वी की गहराई में होता, भगवान ने घोर अंधकार में अपनी महान रचना का निर्माण किया। और यही सादृश्य है कि अँधेरा तुमसे छिपता नहीं।

परमेश्वर ने इसे इस प्रकार रचा है कि हम घोर अन्धकार और जल में बने हैं। और यहीं वह अपनी महान रचना बनाता है। और मेरा भ्रूण, तुम्हारी आँखों ने देखा।

और अगर उसका हाथ हम पर है, तो हम अब प्रकृति के बारे में बहुत कुछ जानते हैं। लेकिन वह आपकी किताब में कह रहा है, वे सभी लिखे गए थे। अर्थात्, मेरे वे दिन बन गए जब उनमें से कुछ भी नहीं था।

संप्रभुता की बात करें। वह है संप्रभुता। भगवान ने हमारे सभी दिनों को पहले से ही डिजाइन कर दिया है।

उसके अपने उद्देश्य हैं। और फिर वह कहता है कि ये विचार, और यहाँ विरोधाभास है, कि बहुत सारे हैं, मैं उन्हें गिन नहीं सकता। लेकिन आमतौर पर, जब आपके पास कोई चीज़ बहुत अधिक होती है, तो वह सस्ती होती है।

लेकिन फिर वह इसे एक साथ रखता है। जहाँ तक मेरी बात है, आपके विचार कितने मूल्यवान हैं? उनका अभिप्राय कितना व्यापक है? इसलिए, मैं उन सभी की गिनती नहीं कर सकता, लेकिन आपूर्ति और मांग के नियम के विपरीत हर एक कीमती है। वे विशाल हैं, लेकिन प्रत्येक बहुमूल्य है।

जहाँ मुझे उन्हें गिनना था, वे रेत के कण गिनने लगे। और इसलिए, वह इस सब पर आश्चर्यचकित है। और अब वह वास्तविक दुनिया में वापस आ गया है और वह चाहता है कि भगवान उसे उसके आसपास मौजूद दुष्टों से छुटकारा दिलाए।

हे परमेश्वर, यदि तू दुष्टों, रक्तपिपासु मनुष्यों, हत्यारों को मार डालता, तो मुझ से दूर हो जाता। मुझे लगता है कि आप इसकी थोड़ी कल्पना कर सकते हैं। यदि आप शाऊल के समय में दाऊद के बारे में सोचें, तो वे खून के प्यासे आदमी थे।

उन्होंने परमेश्वर का नाम व्यर्थ मान लिया। वह उन्हें छू नहीं सकता। और वह कहता है, हे भगवान, काश तू उनसे छुटकारा पाता और उन्हें मार डालता।

अब यह आज हमारे लिए प्रार्थना नहीं है, बल्कि दाऊद के समय में उसके लिए प्रार्थना है। मैं इसे सौलीड काल में समझ सकता हूँ। हे भगवान, बस इनसे छुटकारा पाओ।

और वह उनसे घृणा करता है। वह सिर्फ उन्हें नापसंद नहीं करता। मुझे हत्यारों, ईशनिंदा करने वालों, आपके नाम का दुरुपयोग करने वालों, निर्दोष लोगों की जान लेने वाले, व्यभिचार करने वालों से नफरत है।

और उसमें मेरी कोई भूमिका नहीं है। मैं जानता हूँ कि मैं कौन हूँ। लेकिन फिर वह पीछे हट जाता है और वह कहता है, उसने शुरुआत की, हे भगवान, तुम मुझे खोजो।

और अब वह कहता है, अपना हृदय खोलता है। मैं चाहता हूँ कि आप वास्तव में मुझे खोजें और मुझे बताएं कि वास्तव में वहां क्या है। मुझे खोजो, मुझे परखो, मेरे चिंतित विचारों को जानो और मुझे अनंत मार्ग पर ले चलो।

इसलिए, वह जानना चाहता है कि क्या वहां कुछ ऐसा है जो सही नहीं है, ताकि वह आश्वस्त हो सके कि मैं वास्तव में आपका व्यक्ति, आपका पुरुष या आपकी महिला हूँ। और इसी चीज़ ने उसे राजा बनाया। इसलिए, मुझे लगता है कि इस सत्र को समाप्त करने के लिए यह एक अच्छा नोट है।

वही हमारा भगवान है। ठीक है। आत्मविश्वास के गीत।

क्या मैं आपके साथ साझा कर सकता हूँ कि मैं इन छंदों का उपयोग उन महिलाओं को सलाह देते समय करता हूँ जिनके पास गर्भपात के बारे में प्रश्न हैं। या गर्भपात पर विचार कर रहे हैं या इसके सही या गलत पर तय नहीं हैं। और जब मैं उन्हें यहां दिखाता हूँ, तो घाव में भगवान की भागीदारी और उस व्यक्ति के बारे में उनका ज्ञान, यहां तक कि एक सांस लेने से पहले एक दिन जीने से पहले, कि भगवान वहां थे और शामिल थे।

और यह कि गर्भ में पल रहे हर बच्चे के लिए एक योजना है। दिनों की योजना बनाई गई है। फिर यह उस जीवन को लेने का एक बिल्कुल नया दृष्टिकोण लाता है जिसमें ईश्वर शामिल है।

और यही समस्या है कि यह नहीं पहचाना जाता कि भगवान, जब आप भगवान से छुटकारा पाते हैं, तो आप वास्तव में समुद्र में होते हैं। और यदि आप वास्तव में यह पहचानते हैं कि ईश्वर ने गर्भाधान दिया है, चाहे जो भी हो, यह बहुमूल्य है। पूरी चीज़ कीमती है।

यह सिर्फ इतना ही मातृ ऊतक नहीं है। यह एक आध्यात्मिक प्राणी है। और भजन 51 में उसने कहा, मैं अपनी माता के गर्भ में पाप की अवस्था में था।

और तुम मुझे विवेक सिखा रहे थे। यह माँ का शरीर ही नहीं है। यह दूसरा व्यक्ति है।

और उस व्यक्ति की गरिमा होती है। और यह पूरा विचार है कि एक महिला के अधिकार, और मैं महिलाओं की रक्षा करना चाहता हूँ, लेकिन मैं यह भी कहना चाहता हूँ, भगवान ने यहां एक नया प्राणी बनाया और ऐसा करने के लिए आपके शरीर का उपयोग किया। यह कितना सौभाग्य की बात है और हत्या करना कितना अद्भुत है कि भगवान ने आपको अपनी छवि दुनिया में लाने का विशेषाधिकार दिया है।

यह कैसा विशेषाधिकार है। और फिर उसे नष्ट कर देना। तथास्तु।

धन्यवाद। सूफी, इसे साझा करने के लिए धन्यवाद। भगवान का शुक्र है कि आप सलाह देने और जीवन की रक्षा करने के लिए वहां मौजूद हैं।

ऐसा इसलिए है क्योंकि मेरा मानना है कि ईश्वर न्यायकारी है। मैं नहीं जानता कि पश्चिमी दुनिया में क्या होने वाला है। मुझे नहीं पता।

आप जानते हैं, यहां को छोड़कर दुनिया में लगभग हर जगह गर्भपात अवैध है। हम एकमात्र ऐसे राष्ट्र हैं जो वस्तुतः वैध है। उपयोग कर रहे हैं? उपयोग।

वैध बनाना। अमेरिका में वैधीकरण। मुझे लगता है कि यह पश्चिमी यूरोप में अधिक किया जा रहा है, है ना? हाँ।

लेकिन मेरा मानना है कि यह संहिताबद्ध है। हाँ। कोई भी इस्लामिक राष्ट्र नहीं।

नहीं - नहीं। मुझे लगता है कि युवाओं के बीच इस्लाम के बढ़ने का यही कारण है कि उनमें निरपेक्षता है। और मुझे लगता है कि युवा निरपेक्षता की तलाश में हैं और हमारे लोकतंत्र में, हमारे पास कोई निरपेक्षता नहीं है।

और वे देखते हैं कि यह कैसे पतनशील हो गया है। तो उस स्वतंत्रता को जो चाहे करने की स्वतंत्रता, एक अनैतिकता में बदल दिया गया है। और मुझे लगता है कि कुछ सहज रूप से कहता है कि यह गलत है।

और आप शरीरत जैसी किसी चीज़ पर टिके रहना चाहेंगे, जिसमें निरपेक्षता तो है, लेकिन भयानक निरपेक्षता भी है। तो, गैर-निरपेक्षता के एक चरम से दूसरे तक, मेरा मतलब है, निश्चित

रूप से शैतान हमारी दुनिया में मजबूत है। हम प्रधानताओं और शक्तियों, आध्यात्मिक अंधकार के विरुद्ध लड़ रहे हैं। तथास्तु। खैर, आमीन।

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 18, विश्वास के स्तोत्र, स्तोत्र 139 और 91 है।